National Forest Martyrs Day

The National Forest Martyrs' Day is celebrated annually in India on 11th September to commemorate the martyrs who gave their lives for the protection of forests, wildlife and natural resources. The day is very special due to the 1730 sacrifice of Khejarli in Rajasthan, where the Bishnoi people sacrificed their lives for the Khejri trees.

Key Highlights

Key Point	Details
Day	National Forest Martyrs Day
Date	11 September
Historical Event	Khejarli sacrifice, 1730
Location	Khejarli, Rajasthan
Community	Bishnoi community
Key Personality	Amrita Devi Bishnoi
Tree Protected	Khejri
Observed For	Honouring forest martyrs and promoting forest & wildlife conservation

RASO

Important Institution	Forest Research Institute, Dehradun

Why is National Forest Martyrs Day Observed?

The Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC) declared 11th September as National Forest Martyrs Day to commemorate the courage and sacrifice of forest personnel fighting forest fires, wildlife conflict, illegal activities and other threats to India's biodiversity.

Khejarli Sacrifice of 1730

The date is connected with the historic Khejarli incident in Rajasthan. The date is associated with the historic Khejarli incident in Rajasthan. In 1730, Amrita Devi Bishnoi and the Bishnois protested against the felling of Khejri trees at Khejarli. Over 360 Bishnois sacrificed their lives defending the trees. This sacrifice turned into an important symbol of saving nature in India.

The Forest Research Institute (FRI), Dehradun, also regularly celebrates the day at the Forester Memorial with floral tributes and a minute's silence, in remembrance of the martyrs.

Significance

National Forest Martyrs' Day is an occasion to emphasise the protection of forests, wildlife, and biodiversity. It also reminds the citizens of the historic role that local communities played in environmental conservation.

Conclusion

National Forest Martyrs Day is a linkage of the modern forest protection movement in India with the historic sacrifice made by the Bishnois at Khejarli. 11 Sept, Khejarli, Amrita Devi Bishnoi, Bishnoi community and Khejri tree are important points to remember for competitive exams.

RASonly

MCQs

1. National Forest Martyrs Day is observed on:
A) 5 June
B) 11 September
C) 21 March
D) 2 October
Answer: B) 11 September

2. The Khejarli sacrifice took place in:
A) 1730

B) 1757
C) 1857
D) 1942
Answer: A) 1730

3. Which community is associated with the Khejarli sacrifice?
A) Bhil
B) Meena
C) Bishnoi
D) Garasia
Answer: C) Bishnoi

4. Which tree was protected during the Khejarli sacrifice?
A) Neem
B) Khejri
C) Peepal
D) Banyan
Answer: B) Khejri

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस भारत में हर वर्ष **11** सितंबर को मनाया जाता है। यह दिवस उन शहीदों की स्मृति में मनाया जाता है जिन्होंने वनों, वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह दिन विशेष रूप से राजस्थान के **1730** के खेजड़ली बलिदान से जुड़ा है, जहाँ बिश्नोई समुदाय के लोगों ने खेजड़ी वृक्षों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

प्रमुख बिंदु

मुख्य बिंदु	विवरण
दिवस	राष्ट्रीय वन शहीद दिवस
तिथि	11 सितंबर
ऐतिहासिक घटना	खेजड़ली बलिदान, 1730
स्थान	खेजड़ली, राजस्थान
समुदाय	बिश्नोई समुदाय
प्रमुख व्यक्तित्व	अमृता देवी बिश्नोई
संरक्षित वृक्ष	खेजड़ी
मनाने का उद्देश्य	वन शहीदों का सम्मान और वन एवं वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देना
महत्वपूर्ण संस्थान	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

RASonly

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस क्यों मनाया जाता है?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने **11** सितंबर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के रूप में घोषित किया था। यह दिवस उन वन कर्मियों के साहस और बलिदान को याद करने के लिए मनाया जाता है जो जंगल की आग, मानव-वन्यजीव संघर्ष, अवैध गतिविधियों और भारत की जैव विविधता के लिए अन्य खतरों से लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान देते हैं।

1730 का खेजड़ली बलिदान

यह तिथि राजस्थान की ऐतिहासिक खेजड़ली घटना से जुड़ी हुई है। वर्ष **1730** में अमृता देवी बिश्नोई और बिश्नोई समुदाय के लोगों ने खेजड़ली में खेजड़ी वृक्षों की कटाई का विरोध किया। वृक्षों की रक्षा करते हुए **360** से अधिक बिश्नोई लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह बलिदान भारत में प्रकृति संरक्षण के एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में सामने आया।

वन अनुसंधान संस्थान **(FRI),** देहरादून भी इस दिवस को फॉरेस्टर मेमोरियल पर पुष्पांजलि और दो मिनट के मौन के साथ मनाता है तथा वन शहीदों को श्रद्धांजलि देता है।

महत्व

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस वनों, वन्यजीवों और जैव विविधता के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करने का अवसर है। यह दिवस नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण में स्थानीय समुदायों द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका की भी याद दिलाता है।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस भारत के आधुनिक वन संरक्षण आंदोलन को खेजड़ली में बिश्नोई समुदाय द्वारा किए गए ऐतिहासिक बलिदान से जोड़ता है। **11** सितंबर, खेजड़ली, अमृता देवी बिश्नोई, बिश्नोई समुदाय और खेजड़ी वृक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तथ्य हैं।

MCQs

1. राष्ट्रीय वन शहीद दिवस कब मनाया जाता है**?**
A) 5 जून
B) 11 सितंबर
C) 21 मार्च
D) 2 अक्टूबर
उत्तर**: B) 11** सितंबर

2. खेजड़ली बलिदान किस वर्ष हुआ था**?**
A) 1730
B) 1757
C) 1857
D) 1942
उत्तर**: A) 1730**

RASonly

3. खेजड़ली बलिदान किस समुदाय से संबंधित है?
A) भील
B) मीणा
C) बिश्नोई
D) गरासिया
उत्तर: **C)** बिश्नोई

4. खेजड़ली बलिदान के दौरान किस वृक्ष की रक्षा की गई थी?
A) नीम
B) खेजड़ी
C) पीपल
D) बरगद
उत्तर: **B)** खेजड़ी

PM-SETU Scheme: Bhiwadi ITI Cluster Gets Approval

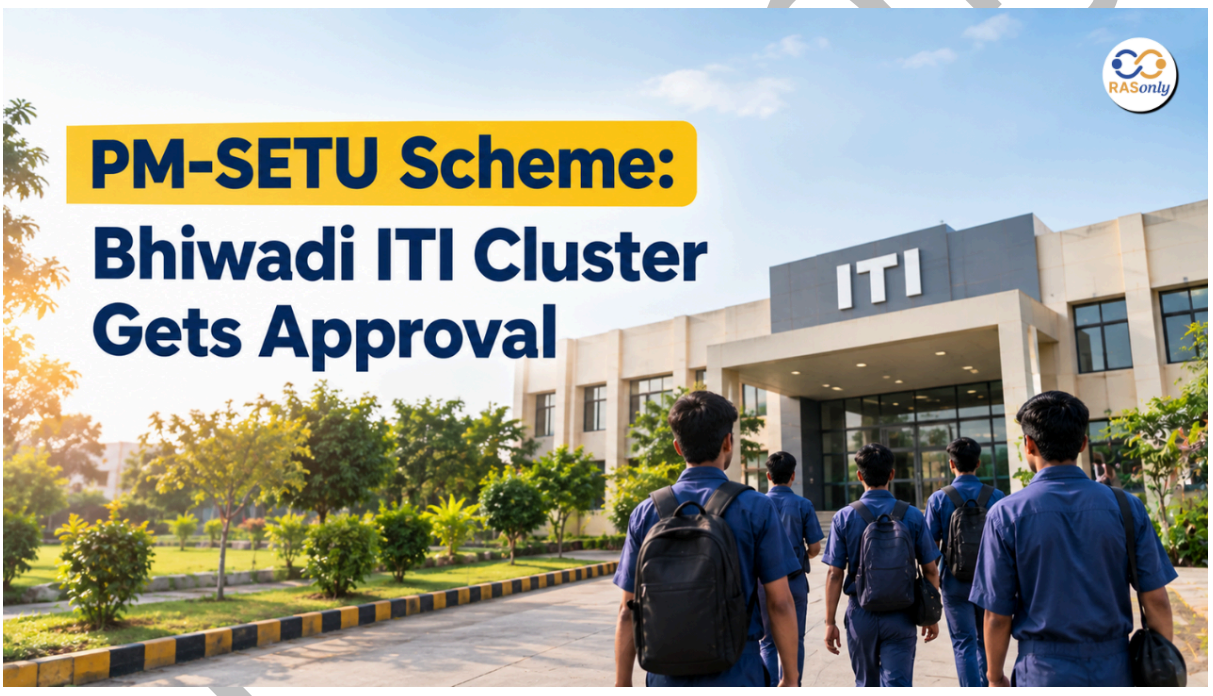

The Bhiwadi ITI Cluster in Rajasthan has received approval under the Pradhan Mantri Skilling and Employability Transformation through Upgraded ITIs (PM-SETU) scheme. The National Steering Committee approved a Strategic Investment Plan of ₹241 crore for the cluster, submitted by H.G. Infra Engineering Limited. It is expected that the implementation will modernise the ITI infrastructure, introduce industry-related training, and provide better employment opportunities for the local youth.

Key Highlights

Particular	Details

Scheme	PM-SETU
Location	Bhiwadi, Rajasthan
Approved Investment	₹241 crore
Industry Partner	H.G. Infra Engineering Ltd.
Cluster Model	Hub & Spoke
Focus	Modern ITI infrastructure & industry-linked skills

Why Is It Important?

The Bhiwadi cluster is significant as Bhiwadi is a key industrial zone and has a high demand for skilled workers. It can help integrate vocational training into sectors like automotive, engineering, electronics, and logistics and boost the employability of trained candidates.

Impact on Skill Development

The cluster is expected to facilitate modern laboratories, modernisation of equipment, and training for the future. It will also provide a better linkage between ITIs and industry to enhance skills acquired by students according to the requirements of the industry.

Conclusion

The approval of the Bhiwadi ITI Cluster marks an important step towards strengthening Rajasthan's vocational education ecosystem. With a ₹241 crore investment and industry-led implementation, the initiative can modernise training facilities, improve industry connectivity and create better pathways to employment for young people in the region.

MCQs

1. Under which scheme was the Bhiwadi ITI Cluster approved?
A. PM-KUSUM
B. PM-SETU
C. PMAY
D. PM SVANidhi
Answer: B. PM-SETU

2. What is the approved investment for the Bhiwadi ITI Cluster?
A. ₹141 crore
B. ₹201 crore
C. ₹241 crore
D. ₹341 crore
Answer: C. ₹241 crore

RASonly

3. Which company submitted the Strategic Investment Plan?
A. Tata Motors
B. H.G. Infra Engineering Ltd.
C. Infosys
D. Larsen & Toubro
Answer: B. H.G. Infra Engineering Ltd.

4. PM-SETU primarily focuses on upgrading:
A. Airports
B. ITIs
C. Universities
D. Hospitals
Answer: B. ITIs

पीएम-सेतु योजना: भिवाड़ी आईटीआई क्लस्टर को मंजूरी

राजस्थान के भिवाड़ी आईटीआई क्लस्टर को प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के तहत मंजूरी मिल गई है। राष्ट्रीय संचालन समिति ने क्लस्टर के लिए ₹241 करोड़ की रणनीतिक निवेश योजना को मंजूरी दी है, जिसे एच.जी. इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड ने प्रस्तुत किया था। इसके क्रियान्वयन से आईटीआई के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण, उद्योग-आधारित प्रशिक्षण और स्थानीय युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध होने की उम्मीद है।

प्रमुख बिंदु

विवरण	जानकारी
योजना	पीएम-सेतु
स्थान	भिवाड़ी, राजस्थान
स्वीकृत निवेश	₹241 करोड़
उद्योग भागीदार	एच.जी. इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड
क्लस्टर मॉडल	हब एंड स्पोक
मुख्य फोकस	आधुनिक आईटीआई बुनियादी ढांचा और उद्योग-संबंधित कौशल

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

भिवाड़ी क्लस्टर महत्वपूर्ण है क्योंकि भिवाड़ी एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जहां कुशल श्रमिकों की मजबूत मांग है। यह परियोजना ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण को जोड़ने में मदद कर सकती है और प्रशिक्षित उम्मीदवारों की रोजगार क्षमता को बढ़ा सकती है।

RASonly

कौशल विकास पर प्रभाव

इस क्लस्टर से आधुनिक प्रयोगशालाओं, उन्नत उपकरणों और भविष्य के लिए तैयार प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह आईटीआई और उद्योगों के बीच सहयोग को भी मजबूत करेगा, जिससे छात्रों को बदलती कार्यस्थल आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

निष्कर्ष

भिवाड़ी आईटीआई क्लस्टर को मंजूरी राजस्थान के व्यावसायिक शिक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ₹241 करोड़ के निवेश और उद्योग-आधारित क्रियान्वयन के साथ, यह पहल प्रशिक्षण सुविधाओं को आधुनिक बनाने, उद्योगों के साथ बेहतर संपर्क स्थापित करने और क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर तैयार करने में मदद कर सकती है।

MCQs

1. भिवाड़ी आईटीआई क्लस्टर को किस योजना के तहत मंजूरी दी गई है?
A. पीएम-कुसुम
B. पीएम-सेतु
C. पीएमएवाई
D. पीएम स्वनिधि
उत्तर: **B.** पीएम-सेतु

2. भिवाड़ी आईटीआई क्लस्टर के लिए स्वीकृत निवेश कितना है?
A. ₹141 करोड़
B. ₹201 करोड़
C. ₹241 करोड़
D. ₹341 करोड़
उत्तर: **C. ₹241** करोड़

3. रणनीतिक निवेश योजना किस कंपनी ने प्रस्तुत की?
A. टाटा मोटर्स
B. एच.जी. इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड
C. इंफोसिस
D. लार्सन एंड टुब्रो
उत्तर: **B.** एच.जी. इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड

4. पीएम-सेतु मुख्य रूप से किसके उन्नयन पर केंद्रित है?
A. हवाई अड्डे
B. आईटीआई
C. विश्वविद्यालय
D. अस्पताल
उत्तर: **B.** आईटीआई

RASonly